'चेहरे पर एसिड फेंका, मेरे सपनों पर नहीं'

हौसले को सलाम : स्वतंत्रता भवन बीएचयू में अतिथि व्याख्यान में बोलीं लक्ष्मी अग्रवाल

ड्रोन के सहारे हवा में उड़ाया प्लेन

आईआईटी बीएचयू में हाथ पर ड्रोन उतारता एयर-शो प्रतियोगी

रविवार को आईआईटी बीएचयू मे एयरशो के दौरान एक प्रतियोगी अपने सम्मानान्तर प्लेन को हवा में लटका करतब दिखाता हुआ

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। मैं पीड़ित नहीं हूं, मैं एक योद्धा हूं, मेरे चेहरे पर तेजाब फेंकने वाला व्यक्ति अपना चेहरा ढकेगा, मैं नहीं। उसने मेरे चेहरे पर एसिड फेंका मेरे सपनों पर नहीं।

यह बातें एसिड अटैक की शिकार समाज सेवी लक्ष्मी अग्रवाल ने रविवार को आईआईटी बीएचयू में कही। वह टेक्नेक्स-2019 के तहत आयोजित कार्यक्रम में बतौर आमंत्रित अतिथि संबोधित कर रही थीं। 'अमूल माडल' पर बोले आरएस सोढ़ी अतिथि व्याख्यान स्वतंत्रता भवन के मुख्य हाल में दोपहर 230 बजे संबोधित करते हुए पर अमूल के वर्तमान प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी ने 'अमूल मॉडल' के बारे में बताया, जो 3.6 मिलियन उद्यमियों की सफलता की कहानी को बताता है कि कैसे लोग इसे बड़ा बनाते हैं। यह एक कहानी है कि कैसे हजारों गरीब, भूमिहीन महिलाएं, जिन्होंने गाय से सीधे ग्राहक को दूध की आपूर्ति की, ने अमूल को 45000 करोड़ रुपये के फलते-फूलते कंपनी में बदल दिया। बाद में श्री सोढ़ी और आगंतुकों के बीच एक तेज सवाल-जवाब सत्र के साथ समाप्त हुई।

आकर्षक रहा बीएचयू का एयर-शो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के टेनेक्स-2019 महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को जिमखाना ग्राउंड में 'एयर-शो' विशेष हुआ। जिसमें कि पेट्रोल एवं विद्युत दोनों ऊर्जा का उपयोग किया गया। इसमें मुख्यतः 'ब्लैक-हॉक', 'ऑक्टाक्वाप्टर', 'क्वाड कॉप्टर', 'सेवियर-प्लेन', 'जेस्टर कंट्रोल,' '62-सीसी पेट्रोल इंजन प्लेन' शामिल हुए। ये सारे माडल इंडियन एयरफोर्स की मदद को ध्यान में रखते हुए बनाए गए।

इसके अलावा हाथ के पंजों से कंट्रोल करने वाला ड्रोन, ट्राईकॉप्टर, रेसिंग क्वाड ड्रोंस, रेसिंग प्लेन इत्यादि भी देखने को मिले,जो पलक झपकते ही खुले आसमान में अपनी करामात, हवाई स्टंट दिखाये और ये पूरी तरह वायरलेस तकनीक पर आधारित थे। आइटियंस की प्रतिभा देखने के लिए बड़े पैमाने पर भीड़ भी इकट्ठा हुई, जिनके मनोरंजन के लिए क्वाडकॉप्टर ड्रोन की मदद से उनपर फूल बरसाए गए। इसके साथ ड्रोन की मदद से रंग उछालकर मन मोहित कर देने वाला भव्य तिरंगे का प्रदर्शन भी किया गया। एयर-शो कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा दर्शाने के लिए आईआईटीयंस दिसंबर के बाद से ही कठिन परिश्रम करना शुरू कर देते है। एयर-शो में अनेक हवाई प्रारूपों को उड़ाने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया गया। इस कार्यक्रम में 25 से ज्यादा हवाई मॉडल देखने को मिले। प्रो.वीरभद्र मिश्र के स्मरण में मनाया जाता है। जो सिविल इजनीयरिंग के पूर्व एचओडी के साथ-साथ अनेक समाजिक कार्यों के लिए जाने जाते है।

लक्ष्मी अग्रवाल एसिड अटैक संघर्ष का परचम

वाराणसी। लक्ष्मी अग्रवाल एसिड अटैक के संघर्ष का शीर्ष परचम बन चुकी हैं। उनका संघर्ष अराजक-शरारती तत्वों और उत्पीड़न की शिकार छात्राओं-महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी हैं। लक्ष्मी का जन्म दिल्ली में हुआ और उन्होंने अपना बचपन दिल्ली में बिताया। वह बताती हैं कि ट्यूशन पढ़ने जाने वाले रास्ते में पीछा करने वाले के एसिड अटैक का शिकार हुयी। लेकिन खुद को साबित करने के लिए साहस नहीं छोड़ा। लक्ष्मी ने बताया कि उम्र में दुगुने व्यक्ति के प्यार के इजहार पर अरुचि से नाराज था। इसलिए अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर एसिड से हमला किया। लक्ष्मी बताती हैं कि उनको एक टैक्सी चालक ने बचाया था। इसके बाद सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। उसने जले के दर्द को कम करने के लिए नौ बड़े आपरेशन किए गए। यह कठिन था, पर फिर भी लक्ष्मी उबर गईं। लक्ष्मी बच गईं, तो नौकरी के लिए आवेदन किए। इसे लोगों से अस्वीकृति कर दिए।

लक्ष्मी ने नए सपने देख खुद के संगठन की शुरूआत की। जिससे वह अन्य महिलाओं की मदद करती हैं। इसके लिए उन्होंने असंख्य अभियान चलाए और संगठन के मानकों को अंतर्राष्ट्रीय बनाया। यह अन्य लोगों को प्रेरित करने और दुनिया के सभी एसिड पीड़ितों के लिए दृढ़ इच्छा के साथ आशा बनने का संकल्प लिया। लक्ष्मी बताती है कि वह हमेशा एक गायिका बनना चाहती थी और वह अब भी गायन के अपने जुनून को जारी रखे हुए हैं।

...आईआइटियंस ने लगाए ठुमके

सुप्रसिद्ध पंजाबी गायक डीजे आली एसे की गायकी टेक्नेक्स-2019 महोत्सव का विशेष आयोजन हुआ। इस धमाकेदार संगीतमय प्रस्तुति तीन दिन के थकान को निकाल दी। इंजीनियरिंग पढ़ायी से थके छात्र-छात्राओं ने खूब ठुमके लगाए।

फेस्ट इन-3

- टेक्नेक्स, वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट इन-3 दिनों के दौरान कई रंगारंग कार्यक्रमों से भरा रहा। यहां खेलों और कार्यक्रमो ने सभी प्रतिभागियों और आगंतुकों के लिए मनोरंजन का काम किया।
- पल्स क्रॉस द प्लैक - यह एक वीआर आधारित गेम था, जिसमें प्रतिभागियों को वीआर कंसोल दिया जाता है और कुछ दूरी पर चलना होता है, एक ऑब्जेक्ट चुनना और वापस लौटना होता है। विजेताओं को रोमांचक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह खेल डीएस समूह द्वारा प्रायोजित था।
- मैजिक शो - द मैजिक शो में एक प्रसिद्ध जादूगर, श्री राम राठी थे। पतले हवा से डब और टंबलर का उदघटित करना, चीजों को गायब करना; उनके करतब में से एक है। वो अचानक से 10 रुपये का नोट दर्शकों के सामने ले आए। यह जादू और संगीत का एक संतुलित मिश्रण था।
- रैपर - रैपर बॉबी और शिवांशु सिन्हा, क्रमशः मिजार्पुर और वाराणसी से, सभी ने हिप-हॉप फ्रीक से श्रोताओं का बहुत ध्यान आकर्षित किया। 4. खेल - एसबी, राजपूताना ग्राउंड और एनसीसी ग्राउंड में कई आकर्षक खेल मौजूद थे, जिसमें एसबी, सिट डाउन, आर्चरी में बंजी बास्केटबॉल, राजपुताना ग्राउंड में फुटबॉल खेल और एनसीसी ग्राउंड में पैंटबॉल शामिल थे।
- जुगलर्स - एसबी में जुगलिंग और लाइट शो में दुनियाभर के बाजीगर और करतबबाज शामिल थे। शो चपलता, कौशल, लचीलापन और गति का एक आदर्श मिश्रण था। इस शो का अंत सभी कलाकारों के एक साथ आने और प्रदर्शन करने के साथ हुआ।
- फास्ट पेंटिंग - मैराथन में सबसे लंबे कैरिकेचर ड्राइंग के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अवार्ड, हरिओम कुमार सिंह ने 10 मिनट से भी कम समय में महामना मदन मोहन मालवीय जी का एक सुंदर चित्र चित्रित किया।